नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-I

(भोजपुरी साहित्य का इतिहास)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. सहित्येतिहास कला ह कि विज्ञान? विवेचन करी ।
2. भोजपुरी साहित्य के इतिहास-लेखन के परम्परा पर प्रकाश डालीं आ ओकर उपलब्धि आ त्रुटि के उल्लेख करीं ।
3. भोजपुरी के आदिकालीन साहित्य के पृष्ठभूमि के परिचय दींहीं ।
4. सिद्ध-साहित्य में सरहपा के महत्त्व पर प्रकाश डालीं ।
5. "नाथ" शब्द से रउआ का समुझतानी? नाथ साहित्य के सिद्धांत-पक्ष के विवेचन करी ।
6. भक्ति काल के उद्भव के कारण पर प्रकाश डाली ।
7. निर्गुण काव्य (संतकाव्य) के उपादेयता पर एगो निबंध लिखीं ।
8. कबीर के काव्य में प्रतीक-योजना पर विचार करीं ।
9. साधनात्मक रहस्यवाद के स्वरूप पर प्रकाश डालीं ।
10. सरभंग सम्प्रदाय के भक्ति भावना के विवेचन करीं ।

Revised Examination Programme-2012 M.A. (Part-I) Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu			
Date	**Paper**	**Time**	**Examination Centre**
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-II

(भोजपुरीतर अन्य क्षेत्रीय भाषा-साहित्य के अध्ययन)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. अवधी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन करत ओकर उपलब्धि के रूपरेखा खींची ।
2. अवधी के उल्लेख ग्रंथ आ ग्रंथकारन प एगो समीक्षात्मक आलेख लिखीं ।
3. आधुनिक मैथिली साहित्य प संक्षेप में प्रकाश डालीं ।
4. ज्योतिरीश्वर ठाकुर प एगो टिप्पणी लिखीं ।
5. "मगही काव्य" लेखन के विकास यात्रा पर आपन विचार व्यक्त करीं ।
6. "मगही लोक साहित्य" के परिचय दीहीं ।
7. बज्जिका के व्याकरणिक कोटियन के विशेषता बताईं ।
8. बज्जिका के काव्य-साहित्य के मूल्यांकन करीं ।
9. अंगिका के कृदन्त आ अव्यय के बारे बताईं ।
10. अंगिका के आधुनिक साहित्य का विविध विधन से परिचय कराई ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	**Paper**	**Time**	**Examination Centre**
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-III

(भारतीय काव्य शास्त्र)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. भारतीय काव्यशास्त्रनि के इतिहास प एगो विस्तृत आलेख लिखीं ।
2. काव्य के हेतु के सम्बंध में विस्तार से विचार करीं ।
3. आचार्य मम्मट, आचार्य विश्वनाथः आ आचार्य जगन्नाथ के 'काव्यात्मा' सम्बंधी मतनि प विचार करीऽ ।
4. व्यंजना शब्द शक्ति के परिभाषा देत ओकर मुख्य भेदनि पर प्रकाश डालीं ।
5. काव्य सिद्धान्त के निरूपण में अलंकार-सम्प्रदाय के योगदान के चरचा करीं ।
6. वक्रोति आ अभिव्यंजनावाद प एगो छोट निंबध लिखीं ।
7. ध्वनि सिद्धांत के जन्म आ विकास प एगो निबंध लिखीं ।
8. रस-सिद्धांत के महत्व, व्यापकता आ एह सम्बंध में आधुनिक दृष्टिकोण का चरचा करीं ।
9. अभि-व्यक्तिवाद का सैद्धांतिक आधार चिह्नित करत एहमत के विशेषता बताईं ।
10. नीचा लिखल छंदनि के लक्षण आ मात्रा बताईं :
    गीतिका, चौपाई, सोरठा, मन्दाक्रांता, धनाक्षरी ।

Revised Examination Programme-2012
M.A. (Part-I)
Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu

Date	Paper	Time	Examination Centre
29/3/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/3/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/4/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/4/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/4/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/4/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/4/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/4/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-IV

(भोजपुरी आलोचना साहित्य)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आलोचना, समालोचना आ समीक्षा के व्युत्पति पर विचार करत, आलोचना के प्रक्रिया आ प्रयोजन के बारे में जानकारी दीं ।

2. आलोचना के सैद्धान्तिक आ व्यावहारिक प्रकार के स्वरूप के बारे में बतलाईं ।

3. ''का प्रकाशित पुस्तक का भूमिका से भोजपुरी आलोचना के विकास की साम्रगी ग्रहण कइल जा सकेला ?'' विवेचना करीं ।

4. ''भोजपुरी आलोचना के इतिहास पत्र-पत्रिकन में छितराइल बा । विचार करीं ।

5. डॉ० उदय नारायण तिवारी के आलोचना कार्य के उल्लेख करीं आ ओकर पद्धति पर विचार करीं ।

6. आचार्य विश्वनाथ सिंह के भोजपुरी आलोचना के क्षेत्र में योगदान के चर्चा करीं ।

7. श्री नगेन्द्र प्रसाद सिंह के समीक्षा कार्य के लेखा-जोखा दीं आ उनका समीक्षा के विशेषता बतलाई ।

8. डॉ तैयाब हुसैन 'पीड़ित' के भोजपुरी समीक्षा साहित्य के योगदान के परिचय दीं ।

9. 'प्रो० हरिकिशोर पाण्डेय प्रभाववादी समीक्षक बा 'एह कथन के उनका समीक्षा पद्धति के आधार पर पुष्टि करीं ।

10. डॉ गदाधर सिंह, डॉ शिववंश पाण्डेय, आ डॉ विश्वरंजन के सक्षिप्त जीवन आ साहित्यिक परिचय दीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
29/03/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/03/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/04/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/04/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/04/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/04/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/04/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/04/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-V

(प्रयोजनमूलक भोजपुरी)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. प्रयोजनमूलक भासा के बारे में विद्वानन के विचार संक्षेप में बताई ।
2. अनुवाद करत खनी कौन-कौन बिनदुयन पर धियान रखे के चाही ।
3. नीचे दीहल पदन या शब्दन पर टिप्पणी लिखीं :-
   छायानुवाद, रूपान्तरन, भाषान्तरन, दुभाषिया, आशु अनुवाद ।
4. पारिभाषिक शब्द से का समझत बानी ? ओकरा विशेषता पर प्रकाश डालीं ।
5. संक्षेपन के प्रक्रिया आ विधि पर प्रकाश डालीं ।
6. निम्नलिखित के पल्लवित करीं :-
   (क) जरूरत अविष्कार के जननी हऽ ।
   (ख) मनुष्य आपन भाग्य का निर्माता अपने हऽ ।
7. कार्यालय टिप्पनी के विभिन्न रूपन पर प्रकाश डालीं ।
8. कार्यालय प्रारूपन आ सामान्य प्रारूपन में का फरक होला ?
9. बंधक कै तरह के होला ? ओकर परिचय दीहीं ।
10. जनसंचार के मुद्रित माध्यम कौन होला ? ओकर पर प्रकाश डालीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
29/03/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/03/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/04/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/04/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/04/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/04/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/04/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/04/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VI

(भोजपुरी लोक साहित्य)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. "लोक साहित्य आ शिष्ट साहित्य में जनक-जनित भाव बा ।" एह कथन के स्पष्ट करीं ।
2. लोक साहित्य में व्यक्त लोक जीवन पर प्रकाश डालीं आ एकरा महत्व बताईं।
3. लोक कथा के परिभाषा देत एकर वैशिष्ट्य आ वर्गीकरण प्रस्तुत करीं ।
4. लोकगीत के परिभाषा बतावत एकरा उत्पत्ति के विषय में विद्वानन के मान्यता के विवेचन करीं ।
5. आदमी के आस्था से सम्बन्धित व्रत-त्याहोरन में गावल जायवाला गीतन के विषय में संक्षिप्त परिचय दीं ।
6. लोकगाथा के वर्गीकरण पर निबंध लिखीं ।
7. लोकगाथन के विशेषता पर प्रकश डालीं ।
8. कथा साहित्य में लोककथा के स्थान निरूपित करीं ।
9. रंगमंच के स्वरूप आ अवयवन के साथे प्रमुख लोकनाटकन के परिचय दीं ।
10. संस्कृति आ सभ्यता के साथे-साथे लोक संस्कृति के विवेचन करीं ।

Revised Examination Programme-2012 **M.A. (Part-I)** **Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu**			
Date	***Paper***	***Time***	***Examination Centre***
29/03/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/03/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/04/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/04/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/04/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/04/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/04/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/04/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
वार्षिक परीक्षा, 2012
एम०ए० (भोजपुरी)
पार्ट-I, पत्र-VII
(भोजपुरी कहानी)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. कहानी के वर्गीकरण के विभिन्न आधार के उल्लेख करत कहानी के प्रकार के चर्चा करीं ।

2. भोजपुरी कहानी के विकास के द्वितीय चरण (सन् 1962-80) के मुख्य उपलब्धि के रेखांकित करीं ।

3. मनोवैज्ञानिक कहानी के विशेषता के वर्णन करीं ।

4. 'भैरवी के साज' कहानी के कथावस्तु लिखीं ।

5. 'अपना घर के आदमी' के उद्देश्य पर आपन विचार प्रस्तुत करीं ।

6. 'बक्सऽ ए बिलार' के भाषिक संरचना के विवेचन करी ।

7. 'मूस-बिलाई के खेल' शीर्षक की सार्थकता के विवेचन करीं ।

8. 'अपराधी' के संरचना-शिल्प पर प्रकाश डालीं ।

9. 'कुन्दन सिंह : केसर बाई' के नायिका के चरित्र-चित्रण करीं ।

10. सप्रसंग व्याख्या करी :-
    (क) ''का करब रउरा अतना कुल्हि राख के । के बा रउरा ? काहे माया में फँसल बानी ? रामो जी त कोल-भील-वानर का हित में काम कइले। रउरा जस गवाये लागी अगर...।''
    (ख) एगो चिनगारी जागल रहे । ऊ सुत गइल । जयद्रथ के गोली अभिमन्यु के त मार देलस, बाकी व्यवस्था के रक्षक पुलिस अर्जुन लेखा कवनों जयद्रथ के प्रण ना ठनलस ।

Revised Examination Programme-2012 M.A. (Part-I) Bhojpuri, Magahi, Public Administration, Sanskrit & Urdu			
Date	**Paper**	**Time**	**Examination Centre**
29/03/2012	Paper–I	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
31/03/2012	Paper–II	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
02/04/2012	Paper–III	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
04/04/2012	Paper–IV	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
06/04/2012	Paper–V	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
09/04/2012	Paper–VI	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
11/04/2012	Paper–VII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna
13/04/2012	Paper–VIII	12:00 Noon to 3:00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(भोजपुरी निबंध)

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं ।

सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. हिन्दी के राष्ट्रभाषा बनावे में का कठिनाई बा आ कैसे ओके दूर कइल जा सकेला ? अपना शब्दन में लिखीं ।
2. 'भोजपुरी भाषा का स्वरूप के सबाल' निबन्ध के साहित्यिक आलोचना प्रस्तुत करीं ।
3. 'कजली बनारस क' निबन्ध के विशेषता सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बतलायीं ।
4. खटिया के प्रयोग कहाँ-कहाँ बर्णित बा ? एह पर आपन शब्दन में प्रकाश डाली ।
5. 'पानी' निबन्ध के सारांश लिखीं ।
6. 'जवानी' के विषय-वस्तु के बारे विस्तार से लिखीं ।
7. 'पुल कमजोर बा' निबन्ध के राजनैतिक पक्ष या सन्दर्भ बताई ।
8. 'समुद्र का हलफन से भिड़त' के दार्शनिक संदर्भ का बा ?
9. 'समकालीनता' निबन्ध के भाषा विवेचन करत बतलायीं कि एह पाठ के भाषा उपयुक्त बा कि ना ?
10. निबंधकार प्रो० जितराम पाठक के साहित्यिक परिचय लिखीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-IX

(आधुनिक भोजपुरी साहित्य के इतिहास)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. आधुनिक भोजपुरी कविता में स्वतंत्रता-प्राप्ति का बाद सामाजिक-राजनीतिक विसंगतियन के सोदाहरण विश्लेषण करीं ।
2. भोजपुरी कविता के कालविभाजन के समीक्षा करीं ।
3. भोजपुरी कहानी के मुख्य कहानीकार के परिचय दीं ।
4. डॉ0 विवेकी राय के कहानी-कला का मूल्यांकन करीं ।
5. रमानाथ पाण्डेय के कहानी संग्रहन के नाम लिखीं आ ओकरा में संकलित कहानियन के परिचय दीं ।
6. भोजपुरी के प्रमुख उपन्यासकार के परिचय दीं ।
7. 'ग्राम सेविका' उपन्यास के उद्देश्य आ भाषा-शैली पर प्रकाश डालीं ।
8. भोजपुरी निबंध के उद्भव आ विकास पर एगो निबन्ध लिखीं ।
9. भोजपुरी नाटक के मुख्य विशेषता के परिचय दीं ।
10. भोजपुरी के प्रमुख पत्रिकन के परिचय दीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XI

(भोजपुरी गद्य के अन्य प्रमुख विधा)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. रेखाचित्रकार के रूप में निर्भीक जी के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालीं ।
2. "सुरतिया न बिसरे" ग्रंथ के कौनो दो रेखाचित्र के आलोचना करीं ।
3. "सुरता के पथार" के लेखक के शब्दन में आज से 70-75 बरिस पहिले के भारत आ आज के भारत में अन्तर स्पष्ट करीं ।
4. "सुरता के पथार" संस्मरण के सारांश लिखीं ।
5. "सासाराम" के लेखक के परिचय आ उनका कृतित्व प प्रकाश डालीं ।
6. पठित यात्रा वर्णन के विशेषता प प्रकाश डालीं ।
7. आचार्य शास्त्री जी के स्फुट कवितन के उदाहरण सहित परिचय दीहीं ।
8. आचार्य महेन्द्र शास्त्री के राजनीतिक विचार के परिचय दीहीं ।
9. शाहाबादी जी के परिचय के साथ रिपोर्ताज संग्रह "ऐनक" के परिचय दीहीं ।
10. पठित कौनो दो रिपोर्ताज के विषयवस्तु के परिचय दीहीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XII

(पाश्चात्य आलोचना एवं शैली विज्ञान)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के एगो छोटछिन इतिहास लिखीं ।
2. विरेचन-सिद्धांत प एगो वैचारिक टिप्पणी लिखीं ।
3. मूल्य सिद्धांत के आलोचनात्मक परिचय दीं ।
4. अभिव्यंजना-सिद्धांत के बोध क स्पष्ट करित ओकर तात्त्विक विवेचन करीं ।
5. कॉडवेल के समीक्षा प्रणाली प एगो विस्तृत विवेचन प्रस्तुत करीं ।
6. “कला अभिव्यक्ति की कुशलता से भरलि शक्ति हवे” - विश्लेषण करीं ।
7. प्रतीक, परम्परा आ आद्यरूप प टिप्पणी लिखीं ।
8. मिथक, स्वप्न, प्रतीक आ कविता के परस्पर सम्बन्ध प आलोचनात्मक विचार प्रकट करीं ।
9. आलोचना के परिभाषा देत ओकर उद्देश्य बताई ।
10. शैली विज्ञान के स्पष्ट करत ओकर उपयोग बतायी ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(भोजपुरी प्रबंध काव्य एवं मुक्तक काव्य)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

प्रत्येक खंड से कम से कम दू गो प्रश्न के चुनके कुल पाँच प्रश्न के उत्तर लिखीं ।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खंड - क (प्रबंध काव्य)

1. प्रबंध काव्य के बारे में विस्तार से बतावत खण्ड काव्य के अवधारणा पर विचार करीं ।

2. भोजपुरी प्रबंध काव्यन के चरित्र-शिल्प पर विचार करत, ई बतलाई कि भोजपुरी प्रबंध काव्य चरित्र योजना में सफल बा ।

3. कुँवर सिंह के चरित्र विकास में कवना प्रकार संवाद, परिवेश सृजन, संघर्ष, उद्देश्य आदि सहायक बनल बा, पठित अंश के आधार पर एकर चर्चा करीं।

4. "विश्वामित्र" वस्तु-शिल्प के हिसाब से महाकाव्य के कोटि के प्रबंध काव्य बा । एह कथन के पुष्टि करीं ।

5. "बुद्धायन" महाकाव्य में नायक आ अति विशिष्ट पात्र बुद्ध बाड़न । एह कथन पर विस्तार से विचार करीं ।

खंड - ख (मुक्तक काव्य)

6. भोजपुरी के संत कवियन के परिचय दीहीं ।

7. साधना के मार्ग में संत धरनीदास के अनुभव के वर्णन करीं ।

8. "मृगतृष्णा" कविता के समीक्षा करीं ।

9. तैयब हुसैन "पीड़ित" के साहित्यिक विशेषता बतलायीं ।

10. भोजपुरी कवियन में जितराम पाठक के स्थान निर्धारण करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(भोजपुरी उपन्यास)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. उपन्यास के मुख्य तत्त्वन पर विचार करीं ।
2. भोजपुरी उपन्यास के विकास के एगो संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करीं ।
3. भोजपुरी उपन्यास पर समीक्षा आ शोध-कार्य के मूल्यांकन करीं ।
4. “फुलसुंघी” के कथा-भाषा आ संवाद-योजना पर संक्षिप्त निबन्ध लिखीं ।
5. “फुलसुंघी” के घटना क्रम के आधार पर एगो कथा खड़ी करीं ।
6. “इमरीतिया काकी” के उद्देश्य पर एगो लघु निबन्ध लिखीं ।
7. स्वर्गीय रामनाथ पांडेय के व्यक्तित्व आ कृतित्व के आकलन करीं ।
8. “इमरीतिया काकी” में अन्तः बाह्य दूनूँ प्रकार के संघर्ष के समाहार भइल बा। एह कथन के स्पष्ट करीं ।
9. “ग्राम देवता” का शीर्षक के औचित्य पर प्रकाश डालीं ।
10. “ग्राम देवता” के कथानक के संक्षेप में प्रस्तुत करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-X

(भाषा विज्ञान)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

प्रत्येक खंड से कौनो दू गो प्रश्न चुनी आ कुल कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं ।
सब प्रश्न के अंक समान बा ।

खण्ड–"क"

1. भाषा से का समझत बानी? विस्तार से प्रतिपादित करीं ।
2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखीं :-
   (क) दैवी सिद्धांत (ख) धातु सिद्धांत (ग) समन्वय सिद्धांत
3. भाषा के विभिन्न रूपन के संक्षिप्त परिचय दीं ।
4. ध्वनि परिवर्तन कवना-कवना दिशा में होला? सोदाहरण उत्तर दीं ।
5. अर्थ के प्रमुख सिद्धांतन के स्पष्टतया समुझा के लिखीं ।

खण्ड–"ख"

6. "बिहारी भाषा" से रउआ का समझत हई? एकर नाम "बिहारी भाषा" काहे पड़ल?
7. मगही भाषा के नामकरण आ क्षेत्र-विस्तार पर प्रकाश डालीं ।
8. लिपि से रउआ का समुझत हई? भोजपुरी के लिपि का ह?
9. कहावत केकरा के कहल जाला? ओकर व्युत्पत्ति पर प्रकाश डालीं ।
10. भोजपुरी भाषा में शब्दन के मानकीकरण आ एकरूपता में कवन-कवन बाधक बा? स्पष्ट करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XV

(भोजपुरी नाटक)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. नाटक में कथानक के निर्माण स्रोत आ ओह में संवाद के भूमिका पर प्रकाश डालीं ।
2. भोजपुरी नाटक के सन् 1947-74 ई0 के विकास के संक्षिप्त परिचय दीं ।
3. लोक कलाकार भिखारी ठाकुर रचित "बिदेसिया" के कथानक के अपना शब्द में प्रस्तुत करीं ।
4. भिखारी ठाकुर के कृतित्व का बारे में संक्षिप्त परिचय दीहीं ।
5. "केहू ना हमार" नाटक के नामकरण आ उद्देश्य पर विचार करीं ।
6. गंगादेयाल के चरित्र के विशेषता बताईं ।
7. "शुरूआत" के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आ सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संक्षेप में लिखीं ।
8. "शुरूआत" नाटक के संवाद-योजना आ भाषिक संरचना पर एगो छोट निबंध लिखीं ।
9. "हाथी के दाँत" के नामकरण के सार्थकता पर आपन विचार प्रस्तुत करीं ।
10. सप्रसंग व्याख्या करीं :-
    (क) नेकी खातिर मूए वाला आदमिन संगे हरदम इहे होला ।
    (ख) ई त पारा पारी के खेल ह । कबो तोहर पारी, कबो हमार पारी। खेलऽ भइया पारा-पारी

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2012

एम०ए० (भोजपुरी)

पार्ट-II, पत्र-XVI

(भोजपुरी से इतर भारतीय साहित्य)

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

कौनो पाँच प्रश्न के उत्तर दीहीं । सब प्रश्न के अंक समान बा ।

1. लौकिक साहित्य के परिचय दीं ।
2. "संस्कृत में साहित्यशास्त्र के जइसन समृद्ध परम्परा मिलतिया, ओइसन अन्यत्र दुर्लभ बिया ।" एह कथन के सार्थकता सिद्ध करीं ।
3. मलयालम भाषा में रचल गइल नाटकन के विवरण दीं ।
4. कन्नड़ आलोचना पर एगो निबंध लिखीं ।
5. गाँधीयुग नामकरण के औचित्य पर विचार करते हुए एह युग के साहित्यकारन के परिचय दीं ।
6. चैतन्य पूर्व युग के कवियन के परिचय दीं ।
7. गालिब के परिचय दीं ।
8. उर्दू के आलोचना साहित्य के परिचय दीं ।
9. संघयुग के नामकरण के औचित्य सिद्ध करते हुए एह युग के साहित्य रचना के परिचय दीं ।
10. जायसी के महत्ता के प्रतिपादन करीं ।

ꕥ ꕥ ꕥ